PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Wednesday, 24th November 2010, Page: 15
Width: 5.55 cms Height: 14.22 cms, Ref: pmin.2010-11-24.61.55

बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने किए बच्चों पर दवाइयों का परीक्षण

भोपाल, जागरण ब्यूरो : मध्यप्रदेश में बच्चों के स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर उन पर ड्रग एवं वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल किया गया। पिछले दो वर्षों में 866 बच्चों पर टीका और तीन बच्चों पर दवा के परीक्षण हो चुके हैं। ये सभी परीक्षण बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने किए हैं।

प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री महेंद्र हार्डिया ने मंगलवार को विधानसभा में विधायक पारस सखलेचा द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। हार्डिया ने बताया कि पिछले दो वर्षों में कुल 866 बच्चों पर ड्रग ट्रायल किया गया है। ये सभी परीक्षण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नहीं, बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कराए। इसके लिए चिकित्सकों को राशि का भुगतान भी किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में सर्वाइकल कैंसर (ग्रीवा कैंसर) और गुप्तांग कैंसर के लिए वी-503 टीके का 44 बच्चों व युवतियों पर परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने कहा कि विश्व में ऐसा कोई कानून नहीं है, जिससे ड्रग ट्रायल को रोका जा सके। इसके बावजूद प्रदेश सरकार ने नए दवा परीक्षणों पर रोक लगाने के साथ इन मामलों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है। जवाब से असंतुष्ट सखलेचा ने कहा कि का आरोप था कि उन्होंने दवा व टीका परीक्षण की छह वर्ष की जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्हें केवल दो साल की जानकारी ही दी गई है। इतना ही नहीं उन्हें जो जानकारी दी गई, वह अपूर्ण एवं भ्रामक है।